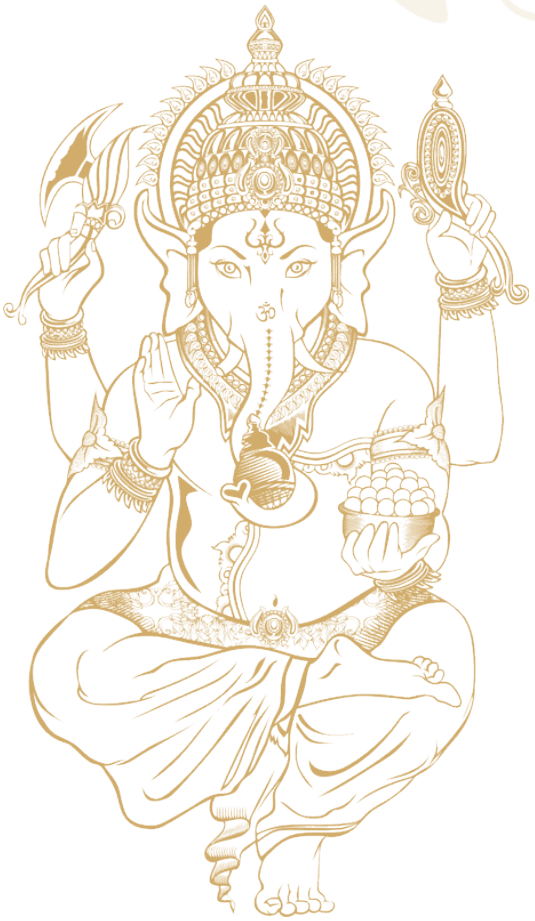

Sarthak mittal

Kashish

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120959704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/05/1999	जन्म तिथि	24-25/08/2000
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 08:10:00	जन्म समय	04:45:00 घंटे
घटी 06:48:44	जन्म समय(घटी)	56:55:23 घटी
India	देश	India
Jalandhar	स्थान	Jalandhar
31:19:00 उत्तर	अक्षांश	31:19:00 उत्तर
75:34:00 पूर्व	रेखांश	75:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:44	स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:30	सूर्योदय	05:58:50
19:22:37	सूर्यास्त	19:00:37
23:50:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 1मा 22दि	18:42:55	मिथु	लग्न	कर्क	21:41:17	राहु 17वर्ष 8मा 10दि
गुरु	10:35:32	वृष	सूर्य	सिंह	08:12:18	गुरु
18/07/2023	24:57:45	कन्या	चंद्र	मिथु	06:53:32	06/05/2018
18/07/2039	01:09:38	तुला व	मंगल	कर्क	21:30:41	06/05/2034
गुरु 04/09/2025	11:01:11	वृष	बुध	सिंह	11:07:23	गुरु 23/06/2020
शनि 17/03/2028	29:55:37	मीन	गुरु	वृष	15:21:31	शनि 04/01/2023
बुध 23/06/2030	25:05:51	मिथु	शुक्र	सिंह	28:32:57	बुध 11/04/2025
केतु 30/05/2031	16:30:07	मेष	शनि	वृष	06:48:36	केतु 18/03/2026
शुक्र 28/01/2034	22:11:06	कर्क व	राहु	कर्क	00:13:05	शुक्र 16/11/2028
सूर्य 16/11/2034	22:11:06	मक व	केतु	मक	00:13:05	सूर्य 04/09/2029
चन्द्र 17/03/2036	22:56:28	मक व	हर्ष व	मक	24:26:35	चन्द्र 04/01/2031
मंगल 21/02/2037	10:25:33	मक व	नेप व	मक	10:35:33	मंगल 11/12/2031
राहु 18/07/2039	15:25:09	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:17:41	राहु 06/05/2034

लग्न-चलित

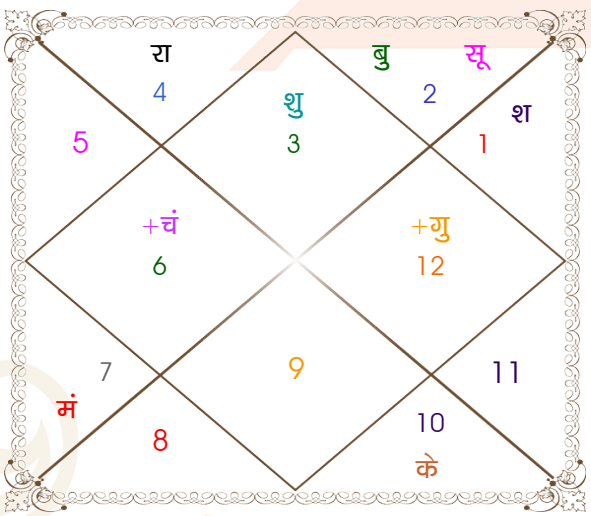

लग्न-चलित

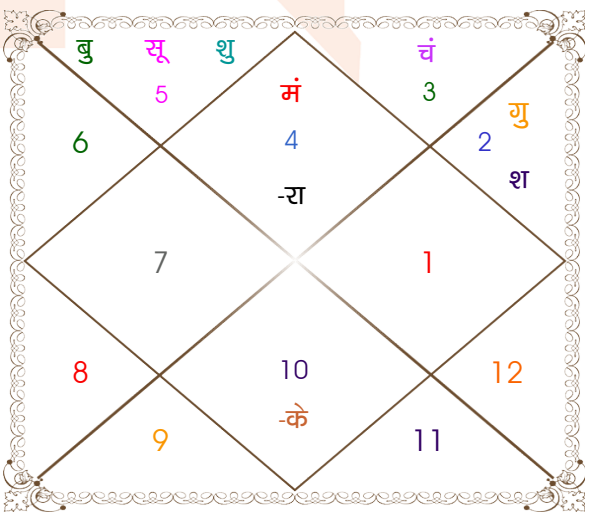

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ैतर्जीा उपजजंस का वर्ग मूषक है तथा ड्ढीपी का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैतर्जीा उपजजंस और ड्ढीपी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैतर्जीा उपजजंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ड्ढीपी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ड्ढीपी कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ड्ढीपी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ँतर्जीा उपजजंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ँतर्जीा उपजजंस तथा ड्ढीपी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com